हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार 25 मई 2026

तापमान
अधिकतम 44 .5 डिग्री
न्यूनतम 24 .6 डिग्री

11 ग्रामीणों ने की आधुनिक लाइब्रेरी बनाने की मांग, सरपंच को सौंपा ज्ञापन

12 पीतल नगरी के बर्तन बाजार पर महंगाई की मार ऑनलाइन खरीदारी से कारोबार ठप

दसवीं पास 10 जून तक कर सकेंगे रजिस्ट्रेशन

पॉलिटेक्निक संस्थानों में 12वीं पास विद्यार्थियों के आवेदन के दो दिन शेष

जिले के लिसाना व धामलावास दो सरकारी पॉलिटेक्निक में विद्यार्थी विभिन्न डिप्लोमा कोर्सेज में 760 सीटों पर कर सकते है आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रेवाड़ी

हरियाणा राज्य तकनीकी शिक्षा समिति यानि एचएसटीईएस की ओर से शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए डिप्लोमा इंजीनियरिंग 3 वर्षीय और डिप्लोमा इंजीनियरिंग लैटरल एंट्री 2 वर्षीय कोर्स में दाखिले का शेड्यूल जारी किया जा चुका है। पॉलिटेक्निक संस्थानों में आवेदन की प्रक्रिया चल रही है। आवेदन और काउंसलिंग की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन रहेगी। जिले में लिसाना व धामलावास स्थित पॉलिटेक्निक में विभिन्न ट्रेडों की 760 सीटें हैं। इनमें लिसाना में करीब 270 और धामलावास में 220 रजिस्ट्रेशन भी हो चुके हैं। धामलावास को इस वर्ष प्लास्टिक टेक्नोलॉजी का नया कोर्स भी मिला है, जिसमें 60 सीटों पर आवेदन होंगे। कॉलेजों में हेल्प डेस्क भी स्थापित किया गया है। पॉलिटेक्निक संस्थानों में दसवीं पास के आधार पर एडमिशन के लिए 10 जून तक ऑनलाइन आवदेन किए जा सकेंगे। वहीं बारहवीं पास विद्यार्थी 26 मई तक आवेदन कर सकेंगे। 12वीं के विद्यार्थियों के दस्तावेजों का 28 जून से 29 तक ऑनलाइन वेरिफिकेशन होगा। 29 मई को मेरिट लिस्ट जारी होगी। वही 10वीं पास के दस्तावेजों का ऑनलाइन वेरिफिकेशन 12 जून तक होगा। मेरिट लिस्ट 15 जून को जारी होगी।

मिशन एडमिशन

रेवाड़ी। लिसाना स्थित पॉलिटेक्निक संस्थान। फोटो : हरिभूमि

गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक के कोर्स व सीटें

पॉलिटेक्निक संस्थानों में 10वीं पास के लिए तीन साल व 12वीं पास के लिए दो साल के कोर्स है। लिसाना में विभिन्न डिप्लोमा कोर्सेज की 360 सीटों पर दाखिले होंगे। लिसाना में मैकेनिकल इंजीनियरिंग के लिए 60, मेडिकल लैब टेक्नालॉजी 60, सिविल इंजीनियरिंग 60, कंप्यूटर इंजीनियरिंग 60, इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग 60 व इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग के लिए 60 सीटें उपलब्ध है। धामलावास पॉलिटेक्निक में ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में 60, इलेक्ट्रिकल में 60, मैकेनिकल में 60, मेडिकल लैब टेक्नालॉजी में 60, कंप्यूटर इंजीनियरिंग में 60, इलेक्ट्रानिक्स में 30 व इंस्ट्रमेंशन एंड कंट्रोल कोर्सेज में 30 सीटों पर दाखिले होंगे।

आवेदन के लिए जरूरी दस्तावेज

पॉलीटेक्नक में एडमिशन के आवेदन के लिए 10वीं कक्षा की मार्कशीट, आधार कार्ड, कैंडिडेट या पेरेंट्स की बैंक पासबुक की प्रति, पीपीपी की प्रति, पीपीपी आईडी में कैटेगरी व इंकम वैरिफाई हो, कैटेगरी सर्टिफिकेट जैसे एसी,बीसी, ईडब्ल्यूएस, इंकम सर्टिफिकेट व पीएच, पीपीपी में विद्यार्थी व माता-पिता का नाम मैट्रिक सर्टिफिकेट के अनुसार हो तथा 12वीं बेस पर अप्लाई करने के लिए 10वीं व बारहवीं को सर्टिफिकेट देना होगा। पासपोर्ट साइज फोटो की भी आवश्यकता होगी।

ऑनलाइन काउंसलिंग शेड्यूल

प्रथम काउंसिलिंग: डिप्लोमा इंजीनियरिंग में काउंसलिंग 16 जून से 18 जून तक और लैटरल एंट्री में 1 जून से 3 जून तक होगी। डिप्लोमा इंजीनियरिंग में सीट अलॉटमेंट रिजल्ट 19 जून व लैटरल एंट्री में 4 जून को होगा। डिप्लोमा इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों की संस्थान में फिजिकल रिपोर्टिंग 22 जून से 24 जून तक तथा लैटरल एंट्री में 5 जून से 8 जून तक होगी।

द्वितीय काउंसिलिंग: डिप्लोमा इंजीनियरिंग में द्वितीय काउंसलिग 26 जून से 30 जून तक तथा लैटरल एंट्री में 10 जून से 12 जून तक होगी। डिप्लोमा इंजीनियरिंग में सीट अलॉटमेंट रिजल्ट 1 जुलाई और लैटरल एंट्री में 16 जून को होगी। डिप्लोमा इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों की संस्थान में फिजिकल रिपोर्टिंग 2 जुलाई से 4 जुलाई तक तथा लैटरल एंट्री में 18 जून से 20 जून तक होगी। काउंसलिंग खत्म होने के बाद खाली बची सीटों के लिए संस्थान स्तर पर मैनुअल काउंसलिंग शुरू की जाएगी।

आज से नौतपा में तपेगा शहर, भारी गर्मी पड़ने के आसार, दो जून से होगा परिवर्तन

रेवाड़ी। रविवार दोपहर को अनाजमंडी में पसरा सन्नाटा व सरकुलर रोड से कूलर लेकर जाते हुए रिक्शा चालक। फोटो : हरिभूमि

- तीन दिन से तापमान में चल रहा उतार-चढ़ाव, लू के थपेड़ों से लोग बेहाल, सड़कों से लेकर बाजार में पसरा सन्नाटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रेवाड़ी

सोमवार शाम 3:38 बजे सूर्यदेव के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करने के साथ ही नौतपा की शुरूआत हो जाएगी। सूर्यदेव 8 जून तक रोहिणी नक्षत्र में ही रहेंगे। सूर्य के राहिणी नक्षत्र में संचार के शुरूआती 9 दिन नौतपा रहेगा। 2 जून तक धूप-गर्मी और तापमान अपने चरम पर रहेंगे। सूर्य के पृथ्वी के करीब आने के कारण 9 दिनों में भारी गर्मी पड़ने की संभावना है, लेकिन तापमान में दो दिन से आर रही कमी के कारण नौतपा में राहत मिलने के भी आसार नजर आ रहे है। सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश के साथ नौतपा की शुरूआत 25 मई से हो जाएगी। मान्यता है कि नौतपा के नौ दिन में तेज गर्मी पड़ती है तो यह अच्छी बारिश का संकेत होता है। इसके विपरीत अगर नौतपा के दौरान तापमान कम रहता है और बारिश होती है, तो मानसून के सीजन में कम बारिश या सूखा पड़ने की आशंका रहती है। ज्योतिषाचार्य पं. दलीप शास्त्री ने बताया कि इस बार सूर्य का रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश 25 मई को शाम 3:38 बजे होगा। सूर्य का मृगाशिरा नक्षत्र में प्रवेश 9 जून को होगा। नौतपा शुरू होने से पहले भारी गर्मी लोगों के जमकर पसीने छुड़ा चुकी है। नौतपा करीब आने के साथ ही तापमान गिरने लगा है।

रात के तापमान में आई मामूली गिरावट

गत तीन दिनों से तापमान में उतार-चढ़ाव चल रहा है। इससे पूर्व तापमान 45.5 डिग्री तक पहुंच चुका है। लू के थपेड़ों ने लोगों का बुरा हाल किया हुआ है। रविवार को अधिकतम तापमान 1.3 डिग्री की वृद्धि के साथ 44.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। रात का तापमान 1.9 डिग्री की कमी के साथ 24.6 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। गत वर्ष 24 मई को अधिकतम तापमान 40 डिग्री और न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

मौसम में बार-बार आ रहा बदलाव

कमजोर विक्षोभ सक्रिय होने से मौसम में बार-बार बदलाव आ रहा है। गत शनिवार को शाम के समय धूल भरी हवाएं चलीं। आसमान में आंशिक बादल छाए रहे। वही रविवार दोपहर तक उमस भरी गर्मी ने लोगों को जमकर परेशान किया। उमस के कारण लोग दिन भर पसीने से तर-बतर होते रहे। कूलरों व एसी की हवा भी उमस ने बेअसर कर दी। मौसम विभाग के अनुसार मौसम में बार-बार बदलाव बना रहेगा। नौतपा के मध्य बूंदाबांदी होने से तापमान गिर सकता है। इससे भारी गर्मी की संभावना कम नजर आ रही है।

बिजली की खपत में फिर वृद्धि शुरू

तीन दिन मौसम में बदलाव के बाद बिजली की खपत में 10 लाख यूनिट तक की कमी आ गई थी। इससे पूर्व बिजली की खपत 98.62 लाख यूनिट तक हो गई थी, जिससे लोगों को बार-बार पावर कटों का सामना करना पड़ रहा था। रविवार से उमस भरी गर्मी के कारण बिजली की खपत फिर बढ़नी शुरू हो गई। शनिवार शाम तक यह एक बार फिर 90 लाख यूनिट के करीब पहुंच गई। रविवार को कई फीडरों में बार-बार कट लगाए गए, जिस कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

खबर संक्षेप

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

अवैध हथियार के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। मॉडल टॉउन थाना पुलिस ने अवैध हथियार रखने के मामले में गांव माजरा गुरदास निवासी पारस को गिरफ्तार किया है। गत 23 को पुलिस को सूचना मिली थी कि पारस अवैध हथियार के साथ सेक्टर-18 में किसी के इंतजार में खडा है। पुलिस ने आरोपी को काबू कर लिया। आरोपी से 1 अवैध देशी पिस्टल बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम तहत मामला दर्ज कर लिया है।

बाबा रामस्वरूपदास आश्रम में चलाया स्वच्छता अभियान

रेवाड़ी। सफाई अभियान में शामिल युवा व ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶। मूंदी

सीहा गांव स्थित बाबा रामस्वरूपदास आश्रम एवं ऐतिहासिक तालाब में रविवार को स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान में बड़ी संख्या में युवा और ग्रामीणों ने भाग लिया। अभियान के दौरान आश्रम परिसर, तालाब के आसपास और रास्तों में फैली गंदगी को हटाकर व्यापक स्तर पर साफ-सफाई की गई। ग्रामीणों ने कहा कि इस प्रकार के अभियान न केवल स्वच्छता का संदेश देते हैं, बल्कि समाज में एकता, भाईचारे और सहयोग की भावना को भी मजबूत करते हैं। बाबा रामस्वरूप गद्दी पर आसीन महंत नरोतमदास महाराज ने कहा कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और समाज को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों और जल स्त्रोतों की स्वच्छता बनाए रखना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। दीपदास महाराज ने सेवकों की मेहनत और समर्पण की सराहना की।

बावल में तीन जगह लगी आग, कार जलकर राख, बाल-बाल बचे लोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रेवाड़ी

भीषण गर्मी में तापमान बढ़ने के आगजनी की घटनाएं भी बढ़ रही है। रविवार को बावल क्षेत्र में एक ही दिन में तीन अलग-अलग जगहों पर आगजनी की घटनाएं हो गई। बावल क्षेत्र के गांव मोहम्मदपुर में झाड़ियों में आग लग गई वहीं चांदूवास में तारों के जंफर में आग लग गई। रसियावास रोड पर चलती गाड़ी में आग लग गई, जिससे कार पूरी तरह राख हो गई। फायर बिग्रेड कर्मियों ने तीनों जगह आग पर काबू पाया। रविवार को छह लोग बिलासपुर से कार में जमीन देखने के लिए रसियावास आए थे। जब वे रसियावास रोड पर पहुंचे तो अचानक गाड़ी से धुआं उठने लगा। गाड़ी में सवार लोग तुरंत बाहर आ गए। थोड़ी देर में कार से आग की लपटें निकलने लगी। उन्होंने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक गाड़ी पूरी तरह जलकर राख हो गई। गनीमत ये रही की गाड़ी में सवार सभी लोग सुरक्षित निकल गए।

रेवाड़ी। आग से जलकर राख हुई कार। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। चांदूवास में लगी आग। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। कथा से पूर्व कलश यात्रा निकालती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण करने से सभी पापों और कष्टों का हरण होताः कौशिक

रेवाड़ी। गांव सीहा के राधाकृष्ण मंदिर में रविवार को श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ किया गया। कथा का आयोजन 31 मई तक होगा। अस्थल भाड़ावास गद्दी के महंत महावीरदास महाराज के सानिध्य में आयोजित कथा से पहले महिलाओं ने श्रद्धा, उत्साह व भक्ति के साथ के साथ गांव के मुख्य मार्गो पर कलश यात्रा निकाली। मंदिर के संत शंकरदास महाराज ने बताया कि धार्मिक आयोजन प्रतिदिन 30 मई तक आयोजित होगा। कथा के समापन पर 31 में भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कथा के दौरान कथावाचक दास मोहित कौशिक ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण करने से सभी पापों और कष्टों का हरण होता है। श्रीमद् भागवत कथा में सनातन संस्कृति और धर्म की महता का पूरा वर्णन है। इसलिए हर सनातनी को इस कथा का रसपान करना चाहिए।

विश्व शांति एवं मंगलकामना को लेकर पांच दिवसीय पंच धूना तपस्या शुरू

तप व साधना भारतीय संस्कृति की महान परंपराः पागल गिरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रेवाड़ी

शहर के ऐतिहासिक काली माता मंदिर संत फकीर धाम सराय बलभद्र में पागल गिरी महाराज के सानिध्य में महंत अभय सिंह गिरी महाराज ने विश्व शांति एवं मंगलकामना को लेकर पांच दिवसीय पंच धूना तपस्या शुरू की है। मंहत अभय सिंह गिरी महाराज ने बताया कि बालाजी आश्रम हरीनगर में उनके गुरु पागल गिरी महाराज के सानिध्य में हरीनगर स्थित बालाजी धाम में 21 दिन की धूनी तपस्या की जा रही है। वहीं काली माता मंदिर में भी धुना तपस्या का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर आसपास के सैकड़ों लोग एवं श्रद्धालु उपस्थित थे।

रेवाड़ी। काली माता मंदिर में धूना तपस्या करते महाराज व मौजूद श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

श्रद्धालुओं ने धुना तपस्या के दौरान परिक्रमा लगाई

श्रद्धालुओं ने धुना तपस्या के दौरान परिक्रमा लगाई तथा मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे बाबा पागल गिरी महाराज का फूलमाला पहनाकर अभिनंदन किया गया। उन्होंने कहा कि तप और साधना भारतीय संस्कृति की महान परंपरा रही है। प्राचीन काल से ऋषि-मुनि एवं संत समाज कल्याण और विश्व शांति के लिए कठोर तपस्या करते आए हैं। उन्होंने कहा कि बाबा अभय सिंह महाराज की यह तपस्या भी उसी परंपरा की प्रेरणादायक कड़ी है। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन दोपहर एक बजे से सवा दो बजे तक सवा घंटे बाबा पंच धूनियों के मध्य बैठकर साधना करेंगे। तपस्या के समापन पर 28 मई को सुबह हवन व भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

देशी पिस्टल व कारतूस के साथ आरोपी गिरफ्तार

धारूहेड़ा। सीआईए धारूहेड़ा की टीम ने अवैध हथियार रखने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान राजस्थान के जिला खैरथल तिजारा के गांव उजौली निवासी नवीन कुमार ऊर्फ अण्डा के रूप में हुई है। सीआईए को सूचना मिली थी कि नवीन कुमार ऊर्फ अण्ड के पास अवैध हथियार है तथो सुभाष चौक धारूहेड़ा के सामने खाली जगह मे मौजूद है। सूचना पर सीआईए ने आरोपी को मौके स काबू कर लिया। तलाशी लेने पर आरोपी के पास से 1 अवैध देशी पिस्टल व 1 जिंदा रोंद बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

आस्था का केंद्र

झज्जर जिले के बेरी कस्बा में दो मंदिर हैं और इनमें रखी जाने वाली माता भीमेश्वरी देवी की मूर्ति एक ही है। बताते हैं कि प्रारंभ में इस जगह पर घना जंगल था। इसमें ऋषि दुर्वासा रह रहे थे। ऋषि दुर्वासा रोजाना सुबह माता भीमेश्वरी देवी की मूर्ति को बाहरी मंदिर में लाते और दोपहर बाद मूर्ति को भीतरी मंदिर में रख देते थे। मूर्ति को आंतरिक मंदिर से बाहरी मंदिर तक ले जाने की यह प्रक्रिया अभी भी धार्मिक रूप से पालन की जा रही है।

हरियाणवी के अनन्य साधक रहे पं. हरिकेश पटवारी

हरिकेश पटवारी न केवल एक उत्कृष्ट कोटि के कवि थे, बल्कि वे एक कुशल रेडियो गायक, प्रखर विचारक और समाज के यथार्थ को अपनी रचनाओं में हुबहू उतारने वाले दूरदर्शी कलाकार थे जिन्होंने अपनी सहज और सरल लोकभाषा के माध्यम से लोक-साहित्य को एक नया आयाम दिया।

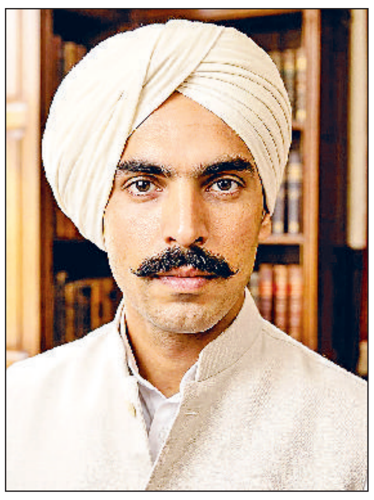

लोक साहित्य

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणा का लोक-साहित्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि जनमानस के संघर्षों, नैतिक मूल्यों और सामाजिक चेतना का एक जीवंत दस्तावेज़ है, जिसने सदियों से इस क्षेत्र की पहचान को अक्षुण्ण रखा है। 'सांग' और 'रागनी' जैसी समृद्ध विधाओं के साहित्यिक क्षेत्र में अनेक ऐसी महान विभूतियां उभरीं, जिन्होंने अपनी अनमोल लेखनी से लोक-भाषा को अमर बना दिया।

इसी श्रृंखला में एक दैदीप्यमान नक्षत्र की तरह चमकते हैं लोककवि पं. हरिकेश पटवारी। पं. हरिकेश पटवारी न केवल एक उत्कृष्ट कोटि के कवि थे, बल्कि वे एक कुशल रेडियो गायक, प्रखर विचारक और समाज के यथार्थ को अपनी रचनाओं में हुबहू उतारने वाले दूरदर्शी कलाकार थे जिन्होंने अपनी सहज और सरल लोकभाषा के माध्यम से लोक-साहित्य को एक नया आयाम दिया। पं. हरिकेश पटवारी का जन्म पंडित उमाशंकर और बसन्ती देवी के घर में 7 अगस्त 1898 को तत्कालीन पंजाब के संगरूर जिले के अंतर्गत आने वाले धनौरी गांव में हुआ था, जो वर्तमान समय में हरियाणा के कैथल जिले की नरवाना तहसील का हिस्सा है। उनके जन्म के समय यह क्षेत्र पटियाला रियासत का एक अभिन्न हिस्सा हुआ करता था, जिससे उनके जीवन और प्रारंभिक वैचारिक विकास पर रियासती दौर की व्यवस्थाओं और ग्रामीण परिवेश का गहरा प्रभाव पड़ा। एक साधारण ब्राह्मण परिवार में जन्मे हरिकेश की प्रारंभिक शिक्षा धनौरी में ही संपन्न हुई, जिसके बाद वे उच्च शिक्षा के लिए पंजाब के खन्ना क्षेत्र में चले गए और वहां से अपनी माध्यमिक शिक्षा पूरी की। उन्होंने राजस्व विभाग में पटवारी के पद पर सरकारी सेवा प्रारंभ की। इसी पद पर कार्य करने के कारण वे लोकमानस में पं. हरिकेश पटवारी के नाम से विख्यात हुए और उन्हें ग्रामीण समाज, किसानों की समस्याओं और सरकारी तंत्र की कार्यप्रणाली को बहुत ही करीब से देखने का अवसर मिला। वे अपनी कुशाग्र बुद्धि, तीक्ष्ण समझ और हाजिर-जवाबी के लिए पूरे क्षेत्र में प्रसिद्ध थे तथा उन्होंने कई भाषाओं में लेखन का कार्य भी किया। वर्ष 1947 में देश की आजादी के बाद जब भारत एक नए युग में प्रवेश कर रहा था, तब हरियाणा के सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक परिवेश को उन्होंने बहुत ही विश्वसनीय, प्रामाणिक और पारदर्शी ढंग से अपनी रचनाओं के माध्यम से जनता के सामने प्रस्तुत किया। उनकी रचनाओं में व्यक्त सच्चाई और सहज कला के कारण उनकी रागनियां आम जनमानस में अत्यधिक लोकप्रिय हुईं, क्योंकि ग्रामीण आंचल के किसान, मजदूर और सामान्य नागरिक उनकी कविताओं में अपनी ही आवाज पाते थे। उनकी चार पुस्तकें हरियाणवी लोक-साहित्य की अनमोल धरोहर मानी जाती हैं, जिनमें वैराग्य रत्नमाला, आजादी की झलक, हरिकेश पुष्पांजलि और प्रश्नोतरी शामिल हैं। इन प्रकाशित पुस्तकों के अतिरिक्त उनकी कई अमूल्य रचनाएं अप्रकाशित भी रह गईं जिनमें सत्यवान-सावित्री, जानी चोर, हरफूल जाट और ऊखा-अनिरुद्ध आदि किस्से शामिल हैं जो प्रमाणित करती हैं कि उनकी पैठ पौराणिक आख्यानों से लेकर समकालीन लोक-इतिहास तक समान रूप से गहरी थी। पं. हरिकेश पटवारी के काव्य का क्षेत्र अत्यंत व्यापक है जिसमें ईश्वर की असीम सत्ता और प्रकृति के रहस्यों के प्रति गहरा कौतुक और दार्शनिक दृष्टिकोण दिखाई देता है जिसका एक अनुपम उदाहरण उनके इस काव्य संदर्भ में मिलता है जहाँ वे कहते हैं:बड़े बड़े गए हार, तेरी है अपार माया ,कहीं परथल कहीं चलें फवारे, तेरी कुदरत के अजब नजारे,तारे चन्द्रमा और भान, बादल बिजली के निशान,बिना खंभे आसमान, कौन से सीस पर टिकाया ।इन पंक्तियों में कवि ने ब्रह्मांड की रचना पर आश्चर्य और श्रद्धा व्यक्त करते हुए बताया है कि बड़े-बड़े विद्वान भी ईश्वर की इस अपार माया को समझने में हार मान चुके हैं और बिना किसी खंभे या सहारे के इस विशाल आसमान को ईश्वर ने किस अदृश्य शीश या आधार पर टिका रखा है यह इंसानी बुद्धि के परे है। हरिकेश एक सजग लोककवि थे इसलिए वे समाज में व्याप्त विसंगतियों और अन्याय को देखकर चुप नहीं रह सके और उन्होंने उस कड़वे यथार्थ को अपनी कविता का विषय बनाया जहां सदाचारी दुखी हैं और पापी सुखी हैं जिसके बारे में वे भगवान से ही सीधे प्रश्न करते हैं:

भूखे मरते भक्त, ऐश करते ठग चोर जवारी क्यूं,
फिर भगवान तनै न्यायकारी कहती दुनिया सारी क्यूं,
नशे विषे में मस्त दुष्ट सुख की निद्रां सोते देखे,
सतवादी सत पुरुष भूख में जिन्दगानी खोते देखे,
एम.ए. बी.ए. पढ़े लिखे सिर पर बोझा ढोते देखे

यह रचना उनकी सामाजिक चेतना का चरमोत्कर्ष है जिसमें वे शिक्षा और रोजगार की विसंगति पर प्रहार करते हुए कहते हैं कि उच्च शिक्षा प्राप्त योग्य युवा बेरोजगार होकर सिर पर बोझा ढोने के लिए मजबूर हैं जबकि मूर्ख और अनपढ़ लोग ऊंचे पदों और कुर्सियों पर आसीन होकर राज कर रहे हैं। कवि ने संसार के लोगों के स्वभाव और प्रवृत्तियों का बहुत ही सूक्ष्म अध्ययन किया था और वे जानते थे कि हर मनुष्य अपनी ही धुन में, अपने ही स्वभाव में मस्त है जिसे वे अपनी पंक्तियों में इस प्रकार व्यक्त करते हैं:

कोई अनुरागी कोई त्यागी कोई बल और धन में मस्त कोई,
कोई ज्ञानी कोई ब्रह्मज्ञानी खल मूर्खपन में मस्त कोई,
रज्या मरै कोई बरत करे और पौ भर अन्न में मस्त कोई,
झक मारै कोई बक मारै रहै मोनी मन में मस्त कोई।

यह काव्य संदर्भ सिद्ध करता है कि वे एक महान मनोवैज्ञानिक कवि थे जिन्होंने मानव व्यवहार के हर रंग को पहचानकर उसे शब्दों में ढाला।एक सच्चे कलाकार और स्वाभिमानी कवि के रूप में पं. हरिकेश पटवारी ने कभी भी अपनी कला का सौदा नहीं किया और वे जानते थे कि जहां कला, ज्ञान और गुणी जनों की कद्र न हो, वहां अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करना व्यर्थ है जिसे वे इस प्रकार प्रकट करते हैं:

जहां जूत लगें और मिले मिठाई वो अनखज खाणा के,
जो कह के गुरु-गुरु बणजै इसे सतसंग का पाणा के,
जहां मूरख लंठ राज बैठे वहां निरगुण का गाणा के,
तै बिना कदर हरीकेश पकड़ ली कविता मूठ ढाल की।

यहां वे उन पाखंडी और धूर्त लोगों पर चोट करते हैं, जो केवल छल से किसी के गुरु बन बैठते हैं और जहां कला की कोई कद्र ही नहीं है, वहां कविता रचना व्यर्थ मानते हैं। वैराग्य और दर्शन के क्षेत्र में पं. हरिकेश पटवारी का दृष्टिकोण अद्वैतवादी संतों जैसा था जो ईश्वर को चराचर जगत के कण-कण में व्याप्त देखते थे, इसे उन्होंने बहुत ही सुंदर शब्दों में पिरोते हुए लिखा है:

भगत तेरे बस रहे सदा भगतों के बस में तू है,
लता पात फल फूल मूल धातु सब रस में तू है,
रूप चरम लहू माँस हाड़ नाड़ी नस-नस में तू है,
वन मरण लाभ हानि सब जस-अपजस में तू है।

कवि कहता है कि वनस्पति की लताओं, पत्तों, फलों, फूलों और मनुष्य के भौतिक शरीर की हड्डियों, नाड़ियों और नस-नस में केवल वही विधाता व्याप्त है। लोककवि का एक मुख्य दायित्व समाज को सही मार्ग दिखाना और नैतिक मूल्यों की स्थापना करना भी होता है। उन्होंने आम जनमानस को जीवन जीने की कला सिखाते हुए इस प्रकार उपदेश दिया है:

शील सबर धीरज धारण करके सन्तोषी रहा कर,
चोरी जारी बदकारी से सौ-सौ कोस दूर रहा कर,
अफीम शराब चरस भंग पीकर मत बेहोश रहा कर,
कंच पात्रसम शुद्धचित्त निर्मल निर्दोष रहा कर।

इन पंक्तियों में कवि मनुष्य को समझाते हैं कि वन में हमेशा शील, संतोष और धैर्य को धारण करना चाहिए तथा हर प्रकार के बुरे कर्मों और नशों से दूर रहकर अपना चरित्र कांच के साफ बर्तन के समान निर्मल रखना चाहिए। पं. हरिकेश ने अपनी राष्ट्रभक्ति और स्वतंत्रता आंदोलन के संघर्षों को भी अपनी अमर लेखनी से अंकित किया है जिसका जीवंत प्रमाण उनकी पुस्तक आजादी की झलक से मिलता है, जहां वे ब्रिटिश हुकूमत के अत्याचारों और उनकी दमनकारी नीतियों का अत्यंत मार्मिक चित्रण करते हुए लिखते हैं:

अंग्रेजों ने म्हारे देश को बिल्कुल चकनाचूर किया।
लूट लिया धन माल हिन्द का अपना घर भरपूर किया।
ऐसी डाली फूट सगा भाई भाई से दूर किया।
बंधी बुहारी खोल बिखेरी कितना बड़ा कसूर किया।

इन पंक्तियों के माध्यम से कवि ने उस ऐतिहासिक सच्चाई को बयां किया है कि कैसे विदेशी शासकों ने भारत की अपार धन-संपदा को लूटकर अपने देश को भरा और हमारी आपसी एकता को छिन्न-भिन्न करने के लिए फूट डालो और राज करो की कुटिल नीति अपनाई जिससे उन्होंने प्रेम से रहने वाले सगे भाइयों को एक-दूसरे से दूर कर दिया और पूरे समाज को तिनके-तिनके की तरह बिखेर कर देश को कमजोर कर दिया। इस महान सफलता और लोक-सेवा के पथ पर चलते हुए अंततः 8 फरवरी 1954 को पं. हरिकेश पटवारी इस नश्वर संसार से चल बसे परंतु अपनी अमर लेखनी के कारण वे आज भी लोक-मानस में जीवित हैं। पं. हरिकेश पटवारी के काव्य की सबसे बड़ी विशेषता उसकी भाषा की तरलता और सरलता है जो ठेठ हरियाणवी और लोक-भाषा का ऐसा सुसंस्कृत रूप है जिसे समाज का हर वर्ग समान रूप से समझ सकता है। उन्होंने एक पटवारी के रूप में समाज के व्यावहारिक धरातल को नापा और एक कवि व गायक के रूप में समाज की आत्मा को झंकृत किया जिससे उनका जीवन अत्यंत सादगीपूर्ण और साहित्यिक योगदान अत्यंत विशाल व समृद्ध रहा। भले ही वे आज हमारे बीच भौतिक रूप से उपस्थित नहीं हैं लेकिन उनका जीवन दर्शन और उनकी कालजयी रचनाएं हरियाणवी लोक-साहित्य के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेंगी और आने वाली पीढ़ियों को हमेशा सत्य, सदाचार और लोक-संस्कृति के प्रति निष्ठा की प्रेरणा देती रहेंगी।

भले ही वे आज हमारे बीच भौतिक रूप से उपस्थित नहीं हैं लेकिन उनका जीवन दर्शन और उनकी कालजयी रचनाएं हरियाणवी लोक-साहित्य के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेंगी और आने वाली पीढ़ियों को हमेशा सत्य, सदाचार और लोक-संस्कृति के प्रति निष्ठा की प्रेरणा देती रहेंगी।

पं. हरिकेश पटवारी के काव्य की सबसे बड़ी विशेषता उसकी भाषा की तरलता और सरलता है जो ठेठ हरियाणवी और लोक-भाषा का ऐसा सुसंस्कृत रूप है, जिसे समाज का हर वर्ग समान रूप से समझ सकता है।

रागिनी

सत्यवीर नाहड़िया

न्यूं बिदबान बतावैं

राग हुवैं छै-तीस रागनी, कोये छत्तीस गिणावैं।
दिखे राग की राणी हों ये,रै न्यूं बिदबान बतावैं।।

टेक-कळी अर तोड़ हुवैं सैं, इसकी धड़कण प्यारी।
कई तरां की कळी बतायी, हो ताल-तरज न्यूँ न्यारी।
गावण की न्यारी लयकारी,ये तिन्नूँ खास बणावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

हरियाणा अर चोगरदे नै ये सदा गूँजती आयी।
माँग साँग की भोत कदे थी,आग्गै फुटकड़ छायी।
वही रागणी पूरी पायी,जो कसी छंद म्हैं जावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

गाम-गाम म्हैं मिलैं गवैये,साज बजावैं न्यारे।
ढोलक-पेट्टी घड़वा-बैंजू,ताल मिलावैं सारे।
कथ कै गाग्ये बड्डे म्हारे,इब कौण उसी रच पावैं?
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

हरियाणा के सांगी-गायक,खूब दूर लग छाये।
कह 'नाहड़िया' कलमतोड़ वै, न्यारे इतिहास बणाये।
गावण के घर दूर बताये,पर रोज भतेरे गावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

कविता

त्रिलोक चंद फतेहपुरी

देश की अखंडता

नौजवानों देश का ऊंचा भाल राखियो।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो।।

कयी देश द्रोही सिर अपणा ठावैं।
देश की अखंडता नै तोड़णा चाहवै।
ऐसे क्रूर जालिमों की पड़ताल राखियो।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो।।

सीमा पै पड़ोसी बैरी तण कै खड़ा सै।
म्हारी एकता खंडित करण नै अड़ा सै।
एकता कदे ना टूटे वा ढाल राखियो।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो।।

जात धर्म के कयी बणै सैं हिमाती।
भाषा विवाद आळै घणै खुरापाती।
उन दुष्टों का ध्यान हर हाल राखियो।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो।।

देश की अखंडता कायम , सुरक्षित हो
उन्नति के पथ पै देश सदा अग्रसित हो
त्रिलोक प्यारे देश को बेमिसाल राखियो।
देश की अखंडता का ख्याल राखियो।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

संस्कृति

हरियाणा में ग्राम-राज की आत्मा और लोकतंत्र का अनौपचारिक मैदान कहलाती हैं चौपालें

चौपालों की नई भूमिका को निर्मित करना जरूरी

जनजीवन

डॉ. प्रियंका सौरभ

हरियाणा की धरती पर चौपालें ऐसे स्थान हैं, जहां गांव की खामोशी में राजनीति की बात होती है, लोक-संस्कृति की गूंज बजती है और सामाजिक ठहराव की गहरी दरारें भी दिखाई देती हैं। ये छोटे-छोटे, अक्सर मिट्टी-पगडंडियों के किनारे बने कच्चे मंच आज भी ग्रामीण जीवन की धड़कन बने हुए हैं। यही चौपालें आम जनता, महिलाओं, युवाओं और सत्ताधारियों के बीच अनौपचारिक संवाद का अनमोल माध्यम हैं, जिनकी गूंज आधुनिक राजनीति, नीति-निर्माण और लोक-संस्कृति तीनों स्तरों पर अपनी प्रासंगिकता बरकरार रखती है।

हरियाणा की चौपालें ग्रामीण समाज की पारम्परिक ग्राम-सभा की उत्तराधिकारी हैं, जहां समुदाय खुले आम बैठकर विवाद, नीति-प्रभाव और दैनिक समस्याओं पर बात करता है। यहां न केवल जमीन-पानी, सिंचाई, राशन-योजना या बिजली-समस्या जैसे मुद्दे उठते हैं, बल्कि गांव के बच्चों की शिक्षा, लड़कियों की सुरक्षा और पंचायत-निर्वाचन की रणनीति भी इसी अनौपचारिक मंच पर तैयार होती है। इस रूप में चौपाल लोकतंत्र की जड़ों का एक जीवित प्रतीक बन जाती है, जहां बिना नोटिस नियम-फाइल के आम आदमी की आवाज बिना फिल्टर के गूंजती है। लेकिन यही चौपालें एक कठोर सामाजिक सिस्टम का हिस्सा भी हैं, जहां जाति-प्रभुत्व, तानाशाही पितृत्व-नेतृत्व और वंशवाद की बातें भी अक्सर दबी आवाज में टकराती हैं। ऐसे में चौपाल एक दोहरी भूमिका निभाती है – वहीं जहां लोकतांत्रिक भागीदारी की संभावना झलकती है, वहीं सामाजिक विभाजन और असमानता की दीवारें भी और ऊंची उठती प्रतीत होती हैं। इस द्वंद्व के बीच चौपाल की नई भूमिका को निर्मित करना आज की जरूरत है। हरियाणा में चुनावी रणनीति अक्सर दिल्ली या चंडीगढ़ के पार्टी-कार्यालयों से शुरू नहीं होती, बल्कि गांव-गांव की चौपालों से शुरू होती है। प्रत्येक पंचायत-निर्वाचन से पहले चौपालें "राजनीतिक मुख्यालय" बन जाती हैं, जहाँ उम्मीदवारों के विज्ञापन, समर्थकों की बैठकें और वोट-संरचना पर खुलकर चर्चा होती है। यहाँ जाति-समीकरण, वंशवाद-विरोध, नई पीढ़ी की अपेक्षाएं और सरकारी योजनाओं की वास्तविकता से जुड़े तथ्यों का जीवंत विश्लेषण होता है। इसी कारण चौपाल एक अनौपचारिक राजनीतिक बाज़ार भी बन जाती है, जहाँ मतदाता व उम्मीदवार दोनों एक-दूसरे से सीधा संवाद स्थापित करते हैं। यहाँ नारे नहीं, बल्कि रोटी-सिंचाई-रोज़गार जैसे ठोस विषय चर्चा का आधार होते हैं। इस प्रकार चौपाल राजनीति को ग्रामीण धरातल पर उतारती है और उसे अमूर्त राजनीतिक विचारों से आम जनजीवन से जोड़ती है। चौपालें राजनीति से हटकर ग्रामीण संस्कृति का एक जीवंत मंच भी हैं। यहां तीज, बासंत, लोहड़ी, दीपावली और विवाह-उत्सवों के समय हरियाणवी लोक-गीत, ठाप, झूमर, नाद-नृत्य और ग्रामीण लोक-कथाएं गूंजती हैं। यहीं झूले, मेहंदी, गीत-संगीत और भोज-संस्कृति से जुड़ी सामाजिक बातें भी चलती हैं, जिनसे ग्राम-समाज की भावनात्मक जुड़ाव और सामाजिक नेटवर्क जीवित रहते हैं। चौपाल सिर्फ सामाजिक-राजनीतिक मंच नहीं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं की अदृश्य रचनात्मक ऊर्जा का भी एक महत्वपूर्ण अभिव्यक्ति-स्थल है। यहीं से लोक-कथाएं, भावनाओं की भाषा और नारी-पहल की छोटी-छोटी शुरुआतें शहर-स्तरीय उत्सवों और मेलों के माध्यम से बाहर दुनिया तक पहुंचती हैं। आधुनिक युग में चौपालों की भूमिका अपने आप बदल रही है।

मोबाइल, डिजिटल मीडिया और ऑनलाइन बात-चीत ने ग्रामीण जनता की जानकारी के स्तर को उठाया है, लेकिन इसके साथ-साथ युवा पीढ़ी की चौपालों से दूरी भी बढ़ रही है। जहाँ कभी गांव के बुज़ुर्ग और युवा एक ही छत्र में बैठकर बातचीत करते थे, वहाँ आज सोशल-मीडिया और व्हाट्सएप ग्रुप अक्सर नए मंच बन जाते हैं। चौपाल की अवधारणा को नवीनीकरण की ज़रूरत है। यह डिजिटल युग के साथ जुड़कर एक नई पहचान बना सकती है जैसे "डिजिटल चौपाल", "युवा चौपाल" या "नारी चौपाल", जहां ग्रामीण समाज की नई पीढ़ी की भाषा और चिंताओं को भी समान रूप से शामिल किया जा सके। हरियाणा में चौपलों की गूँज आज भी जीवित है, लेकिन इसे सिर्फ पारम्परिक प्रतीक के रूप में न रखकर एक नवीनीकृत सामाजिक और सांस्कृतिक मंच के रूप में देखने की आवश्यकता है। यह चौपाल आज भी ग्रामीण जनता की आवाज, राजनीति की बुनियाद और सांस्कृतिक धड़कन तीनों को एक साथ जोड़ती है। इसे सुदृढ़ करना और उसे नवीन रूप देना, आधुनिक ग्राम-राज्य की स्वस्थ प्रगति के लिए अनिवार्य है।

सपनों को उम्र नहीं, सिर्फ हौसला चाहिए : डिंपल चौधरी

कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

जिंदगी सिर्फ जिम्मेदारियों का नाम नहीं होती, कभी-कभी अपने अंदर छुपे कलाकार को जी लेना भी ज़रूरी होता है- यह पंक्ति सिर्फ़ एक विचार नहीं, बल्कि डिंपल चौधरी के पूरे जीवन का सार है। एक ऐसी महिला, जिसने परिवार, नौकरी और सामाजिक जिम्मेदारियों के साथ-साथ अपने सपनों को भी पूरी शिद्दत से जिया और यह साबित किया कि अगर हौसले ज़िंदा हों, तो सपनों की कोई उम्र नहीं होती।

नोएडा में रहने वाली डिंपल का जन्म पुठकला में हुआ और उनकी पूरी पढ़ाई-लिखाई नजफगढ़ में हुई। बचपन से ही वह उन लड़कियों में शामिल रहीं जो सिर्फ़ किताबों तक सीमित नहीं थीं। स्कूल का कोई भी कार्यक्रम हो -डांस, स्पोर्ट्स, स्टेज एक्टिंग या अन्य गतिविधियां, उनका नाम हमेशा सबसे आगे रहता। अपने कॉलेज के दिनों में उन्होंने बैडमिंटन में भी कई पुरस्कार जीते। आज वह दिल्ली यूनिवर्सिटी में कार्यरत हैं और अपने काम को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभा रही हैं। उनके पति सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में अपना व्यवसाय चलाते हैं और हर कदम पर उनका हौसला बढ़ाते रहे हैं। डिंपल ने ससुराल में भी उनकी सासू मां, जो एक रिटायर्ड प्रिंसिपल रह चुकी हैं, से डिंपल ने अनुशासन और आत्मविश्वास सीखा। परिवार के अन्य सदस्य देवर-देवरानी सभी ने हमेशा उन्हें प्यार और सहयोग दिया। डिंपल बहुत अच्छी डांसर हैं।

उन्होंने कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों और मंचों पर अपनी नृत्य प्रस्तुतियां दीं। उनके लिए डांस केवल कला नहीं, बल्कि आत्मा की आवाज़ है। धीरे-धीरे उनका अभिनय सफर भी आगे बढ़ता गया। उन्होंने कई शॉर्ट फिल्मों में काम किया, जिनमें "ये ही दहेज है", "परिश्रम", "पारखी", "मेरा परिवार", "अच्छी फीलिंग", "खास दोस्त", "बेटे की खुशी" और "सबक" जैसी फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग भूमिकाएं निभाईं। इन फिल्मों ने उन्हें केवल अभिनय ही नहीं सिखाया, बल्कि समाज को और करीब से समझने का अवसर भी दिया। उन्होंने एफटीएएफटी डिजिटल प्रोडक्शन के साथ कई रचनात्मक प्रोजेक्ट्स में काम किया और कैमरा विज़न प्रोडक्शन के पॉडकास्ट में अपने जीवन व अभिनय सफर को खुलकर साझा किया। उनके अभिनय जीवन में कई ऐसे अवसर आए, जिन्होंने उनके आत्मविश्वास को और मजबूत किया। उन्हें बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार और रजनीकांत की फिल्म रोबोट 2.0 और प्रसिद्ध लोक गायिका मालिनी अवस्थी के साथ काम करने का अवसर मिला। हाइफा ग्रुप से जुड़ना डिंपल चौधरी के जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, जहां उन्हें बड़े कलाकारों से सीखने और अपने हुनर को निखारने का अवसर मिला। हाइफा के मंच पर अपनी शानदार डांस प्रस्तुतियों के जरिए उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई। आज डिंपल चौधरी कई बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं। उन्होंने हरियाणा की मशहूर कलाकार सपना चौधरी के साथ आने वाली हरियाणवी फिल्म "फौजन" में काम किया है, जो जल्द ही रिलीज़ होने वाली है। इसके अलावा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और हरियाणवी कलाकार राखी लोहचब के साथ भी उनका एक नया प्रोजेक्ट आने वाला है। साथ ही बॉलीवुड अभिनेता राजेंद्र गुप्ता के साथ भी उन्होंने एक फिल्म में काम किया है, जो जल्द दर्शकों के सामने होगी। हरियाणवी सिनेमा में अपने अनुभव और सिनेमा में आए बदलावों के संदर्भ में डिंपल का मानना है कि आजकल हरियाणवी सिनेमा में पहले की तुलना में अधिक फ़िल्में, वेब सीरीज़, पारंपरिक गीतों के साथ-साथ नई धुनों और आधुनिक संगीत का भी निर्माण किया जा रहा है। इससे नई प्रतिभाओं को अपनी कला दिखाने का अवसर मिल रहा है और हरियाणवी मनोरंजन जगत की गुणवत्ता में भी निरंतर सुधार हो रहा है।

हरियाणवी बोली, संस्कृति और सकारात्मक हरियाणवी सोच को अब बॉलीवुड में भी विशेष पहचान और सराहना मिलने लगी है। यही कारण है कि आने वाले समय में हरियाणवी सिनेमा नई ऊंचाइयों को छूने की प्रबल संभावनाएं रखता है। आज डिंपल चौधरी सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों से जुड़ी रहती हैं, जहां उनके डांस और एक्टिंग वीडियोज़ कई महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुके हैं। वह मानती हैं कि शादी, परिवार और नौकरी के बाद भी सपनों को जिया जा सकता है, अगर दिल में सच्चा जुनून हो। जब लोग उनसे समय निकालने का राज पूछते हैं, तो वह मुस्कुराकर कहती हैं - "जिस चीज़ से सच्ची खुशी मिले, उसके लिए समय अपने आप बन जाता है।" आज भी वह लगातार सीख रही हैं, आगे बढ़ रही हैं और अपने सपनों को जी रही हैं। उनकी कहानी यह साबित करती है कि हौसले मजबूत हों, तो सपनों की कोई उम्र नहीं होती।

खबर संक्षेप

यादव सभा के कैंप में 114 लोगों ने कराई जांच

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। कैंप में 114 मरीजों को ओपीडी सेवाएं व फ्री दवाईयां प्रदान की गई। शिविर में अनुभवी डॉक्टरों की टीम ने मेडिसन, हड्डी रोग, यूरोलॉजी, नेत्र रोग, चर्म रोग व बाल रोग के रोगियों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की। इनके अलावा फिजियोथेरेपी की सेवाएं भी दी गई। कैंप के आयोजन में सभा के प्रधान रामबीर यादव, जसवंत सिंह, शशिभूषण, अमर सिंह, प्रो. सतीश यादव, राम सिंह व गोकल राम ने सहयोग प्रदान किया।

ग्रामीणों ने सरपंच को सौंपा ज्ञापन, केंद्रीय स्थान आवंटन की मांग

हरियाणा टॉपर दीपिका के गांव में आधुनिक लाइब्रेरी की मांग उठाई

- सरपंच ने जल्द कार्रवाई का दिया आश्वासन
- विद्यार्थियों को मिलेगा पढ़ाई का बेहतर माहौल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

जिले के गांव जाट सायरवास की होनहार बेटी दीपिका मेघवाल की ओर से 12वीं कक्षा में पूरे हरियाणा में टॉप करने पर राज्यसभा सांसद कर्मबीर बौद्ध ने गांव में आधुनिक लाइब्रेरी बनाने की घोषणा की थी। इसी घोषणा को अमली जामा पहनाने की दिशा में रविवार को गांव के अनेक नागरिकों ने सरपंच आजाद सिंह को औपचारिक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से गांव में लाइब्रेरी के निर्माण के लिए उचित एवं केंद्रीय स्थान आवंटित करने की मांग की गई। ग्रामवासियों की मांग पर सरपंच ने आश्वस्त किया कि ग्राम पंचायत की ओर से जल्दी ही इस दिशा में उचित कदम उठाए जाएंगे और स्थान का आवंटन कर आगे की कार्यवाही शुरू की जाएगी। गांव के प्रबुद्धजनों ने उम्मीद जताई है कि लाइब्रेरी बनने से जाट सायरवास और आसपास के क्षेत्र के विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए एक बेहतरीन माहौल मिलेगा, जिससे भविष्य में दीपिका मेघवाल जैसी और भी प्रतिभाएं उभर कर सामने आएंगी।

रेवाड़ी। सरपंच को ज्ञापन सौंपते हुए ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर पंच धनवंत सिंह, राकेश व कृष्ण, विजयपाल थानेदार, रामनिवास, कर्ण सिंह पूर्व सरपंच, दयानंद नंबरदार, खजान सिंह, पवन, अशोक मेघवाल, महावीर, बिनोद कुमार, राजेश कुमार, राजेंद्र सिंह, विक्रम सिंह, हरिओम मास्टर, धर्मानंद व कप्तान सिंह सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

रेवाड़ी। गांव में राहगीरों को ठंडा शरबत पिलाते हुए युवा। फोटो : हरिभूमि

युवाओं ने छबील लगाकर राहगीरों का गला किया तर

रेवाड़ी। जिले के गांव कदू भवानीपुरा में रविवार को युवाओं ने छबील लगाकर राहगीरों को ठंडा व मीठा शरबत पिलाया। छबील में लोगों के लिए छाया और सफाई का विशेष ध्यान रखा गया। राहगीरों ने इसकी सराहना की। छबील पर शरबत पीने के लिए लोगों की काफी भीड़ रही। बच्चों ने भी छुट्टी का सद्धुपयोग करते हुए छबील में सहयोग किया। इस पुनीत कार्य में सतपाल उर्फ लाला दुकानदार, बालकिशन, लीलू प्रधान, भजनलाल, रौनक, आनन्द, कुशाल, हर्ष, सचिन व तुषार ने सहयोग किया।

रेवाड़ी। राहगीरों को मीठा पानी पिलाते गांव के युवक। फोटो : हरिभूमि

युवाओं ने लगाई मीठे पानी की छबील

कोसली। गांव गुर्जरवास में युवाओं ने भीषण गर्मी को देखते हुए मीठे पानी की छबील लगाई। युवाओं ने कोसली व कनीना मार्ग पर राहगीरों को मीठा पानी पिलाया। इस कार्य में दीपक गुर्जर, मोनू दायमा, विकेश गुर्जर, राकेश दायमा, संदीप व मनोज गुर्जर का योगदान रहा।

दिनेश मोदी बने अग्रवाल वैश्य समाज युवा टीम के जिला अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेशाध्यक्ष अशोक बुवानीवाला और युवा प्रदेश अध्यक्ष हिमांशु अग्रवाल ने रेवाड़ी जिला अध्यक्ष नवीन सिंघल की अनुशंसा से दिनेश मोदी को अग्रवाल वैश्य समाज युवा टीम का जिला अध्यक्ष, आयुष गुप्ता को युवा टीम महासचिव व हिमांशु अग्रवाल को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया है। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने प्रदेशाध्यक्ष, महिला प्रदेशाध्यक्ष सुशीला सर्राफ, युवा प्रदेश अध्यक्ष व जिला अध्यक्ष नवीन सिंघल सहित सभी पदाधिकारियों का धन्यवाद किया है। जिला अध्यक्ष नवीन सिंघल ने वैश्य समाज के युवाओं को राजनीति में आगे आने और देश तथा प्रदेश की राजनीति में भागीदारी करने के लिए आह्वान किया है।

आयुष गुप्ता।

हिमांशु अग्रवाल।

दिनेश मोदी।

इन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों को दी बधाई

अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष दिलीप खंडेलवाल, जिला महिला अध्यक्ष सुनीता अग्रवाल, जिला महिला महासचिव यशोदा बंसल, जिला महिला कोषाध्यक्ष गरिमा मित्तल, जिला महासचिव तेजपाल गर्ग, जिला कोषाध्यक्ष प्रवीण बंसल, विधानसभा महिला अध्यक्ष रेखा अग्रवाल, विधानसभा महिला महासचिव अंजू अग्रवाल, विधानसभा महिला कोषाध्यक्ष मनु अग्रवाल, मनोज कुमार मित्तल, एडवोकेट नीतेश अग्रवाल, राम किशन अग्रवाल, मनोज गोयल, सुनील अग्रवाल, जगदीश प्रसाद गोयल, ललित कुमार सिंघल, दिनेश गोयल, अश्विनी गर्ग, अरुण गर्ग, हंसराज सिंघल, सुमित मित्तल, अमित कुमार मित्तल, हिमांशु सिंघल, ललित भूषण गुप्ता, प्रियंका मित्तल, ज्योति गोयल, शशि बंसल, मंजू अग्रवाल, निर्मला अग्रवाल, रजनी जैन, पूजा गुप्ता, रजनी गुप्ता, आभा रूंगटा, नीतू अग्रवाल, सीमा खंडेलवाल व सरला अग्रवाल सहित अग्रवाल वैश्य समाज की टीम ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी है।

रेवाड़ी। सेवानिवृत्त अध्यापक को सम्मानित करते प्राचार्य व स्टाफ सदस्य।

शिक्षक को सेवानिवृत्ति पर दी विदाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोसली

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नेहरूगढ़ के अध्यापक राममेहर सिंह की सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में विदाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्राचार्य विनोद व मुख्याध्यापक देशराज ने अध्यापक राममेहर को एक मेहनती व अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठावान व मिलनसार व्यक्तित्व का धनी बताया। उन्होंने अपने 22 साल के कार्यकल में विभिन्न जगहों पर अपनी सेवाए दी तथा वे करीब 10 साल से नेहरूगढ़ स्कूल में अपनी सेवाएं दे रहे थे। सरपंच आशीष प्रजापति ने शिक्षा क्षेत्र में लंबे योगदान के लिए उनका आभार व्यक्त किया तथा उनके दीर्घायु जीवन व उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। सरपंच व पंचायत सदस्यों ने शिक्षक को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। स्टाफ सदस्यों ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किए। इस अवसर पर राजेन्द्र पंच, प्रताप सिंह, सुभाष यादव, अनिल प्रवक्ता, सतपाल, अंकित, प्रवीण, अशोक शास्त्री, प्रवीण डीपीई, अरविन्द, राजेंद्र व सुशीला सहित सभी स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

गर्मी के मौसम में शरीर को हाइड्रेटेड रखना अत्यंत आवश्यकः डीसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

डीसी अभिषेक मीणा ने आमजन से आह्वान किया कि गर्मियों के मौसम में तापमान में अत्यधिक वृद्धि होने के कारण जनजीवन पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। प्रचंड गर्मी और लू के चलते लोगों को डिहाइड्रेशन, हीट स्ट्रोक, चक्कर आना, थकान और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में आमजन अत्याधिक सावधानी बरतें और सरकार व जिला प्रशासन द्वारा जारी एडवाइजरी और दिशा-निदेर्शों की पालना करें। डीसी ने कहा कि गर्मी में बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि ये वर्ग गर्मी के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों को धूप में खेलने से रोकें और उन्हें पर्याप्त पानी पिलाते रहें। इसी प्रकार, बुजुर्गों को ठंडे और हवादार स्थान पर रखें तथा समय-समय पर उनकी सेहत की निगरानी करें। उन्होंने कहा कि नागरिक दोपहर के समय, विशेषकर दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच, अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचें। यदि किसी कारणवश बाहर जाना आवश्यक हो, तो सिर को ढक कर अवश्य रखें।

डीसी ने कहा कि गर्मी के मौसम में शरीर को हाइड्रेटेड रखना अत्यंत आवश्यक है। दिन भर में पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए। इसके अलावा, नींबू पानी, छाछ, लस्सी, नारियल पानी और फलों का रस जैसे तरल पदार्थों का सेवन लाभकारी होता है। अधिक तैलीय, मसालेदार और बासी भोजन से बचना चाहिए, क्योंकि ये शरीर में गर्मी बढ़ाते हैं और पाचन संबंधी समस्याएं उत्पन्न कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बाहर कार्य करने वाले मजदूरों और श्रमिकों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है। उनके लिए कार्यस्थल पर छाया, ठंडे पानी और आराम के लिए पर्याप्त समय की व्यवस्था की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति में हीट स्ट्रोक के लक्षण जैसे तेज बुखार, उल्टी, सिरदर्द, चक्कर आना या बेहोशी दिखाई दें, तो उसे तुरंत ठंडी जगह पर ले जाएं, उसके शरीर को ठंडा करें और तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा सहायता प्राप्त करें। शहरवासी गर्मी में पक्षियों और

डीसी अभिषेक मीणा।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद आयोजक व अतिथि। फोटो : हरिभूमि

मासिक स्वास्थ्य दिवस पर महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

रेवाड़ी। अपना मन फाउंडेशन की ओर से मासिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में मिशन लाल रंग इनिशिएटिव के अंतर्गत जिला स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा पुरुषों को भी महिलाओं से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति संवेदनशील एवं जागरूक बनाना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता ज्योति गुप्ता ने की। सम्मेलन का मुख्य आकर्षण पैनल डिस्कशन रहा, जिसकी थीम यूनाईटेडफॉर डिगनिटी रखी गई। चर्चा में सोशल सेक्टर, एजुकेशन सेक्टर, मेडिकल सेक्टर एवं कॉपोरेंट सेक्टर से जुड़े विशेषज्ञों एवं प्रतिनिधियों ने अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर हरियाणा बोर्ड की स्टेट टॉपर दीपिका को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान योग अभ्यास सत्र का आयोजन किया गया। महिलाओं को अपने शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने तथा योग के महत्व के बारे में जानकारी दी। संस्था से अनुराधा सैनी ने सभी अतिथियों को पौधे देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सावित्री यादव, उमा गुप्ता असिस्टेंट गवर्नर रोटरी क्लब, पूजा वर्मा एचओडी तकनीकी शिक्षा विभाग हरियाणा, डा. पूनम जैन स्त्री रोग विशेषज्ञ, पारिषा शर्मा, डा. किरण, नीरू भारद्वाज, संगीता दयाल, सुमन चौहान, एडवोकेट मोनिका भार्गव आदि रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी एमपी गोयल ने की

भारत स्वाभिमान ट्रस्ट व पतंजलि समिति ने किया 71 योग शिक्षकों का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

भारत स्वाभिमान ट्रस्ट एवं पतंजलि परिवार की ओर से रविवार को सहयोग योग शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी एमपी गोयल ने की, जबकि विधायक लक्ष्मण सिंह यादव मुख्य अतिथि व अति विशिष्ट अतिथि के रूप में ईश कुमार आर्य राज्य प्रभारी भारत स्वाभिमान ट्रस्ट, विनीता पीपल नप चेयरपर्सन और डा. आरबी यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

मंच का संचालन रामनिवास बेनीवाल पूर्व जिला प्रभारी भारत स्वाभिमान ट्रस्ट ने किया। सभी वक्ताओं ने जीवन में योग, स्वदेशी और आयुर्वेद अपनाने पर जोर दिया। इस अवसर पर 71 योग शिक्षकों को सर्टिफिकेट और अंग वस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया, जोकि 5 दिवसीय योग शिवर पतंजलि वेलनेस सेंटर हरिद्वार में योग ट्रेनिंग लेंगे। कार्यक्रम में सुरेंद्र कुमार मंडल प्रभारी, दयानंदन आर्य जिला प्रभारी भारत स्वाभिमान ट्रस्ट, नरेश यादव जिला प्रभारी पतंजलि योग समिति, श्याम सुंदर महामंत्री, विकास यादव सहप्रभारी पतंजलि योग समिति, विनोद, जसबीर तहसील प्रभारी बावल, मनोज सैन तहसील प्रभारी धारूहेड़ा, विजयपाल तहसील प्रभारी मनेठी, खजांची होशियार सिंह, महिपाल, तेजभान कुकरेजा, दिनेश कुमार अध्यक्ष हमारा परिवार, रविंद्र आशावादी, पूर्व चेयरमैन राजकुमार, एसपी गौतम अध्यक्ष परशुराम समिति, सुरेंद्र, रविंद्र, विकास, सुनिता आर्य शास्त्री, संतोष, नीतू, संजू व रामतीरथ शास्त्री उपस्थित थे।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में सहयोग शिक्षकों का सम्मान करते हुए। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। गांव शहरपुर की पहाड़ी में लगी आग से जली घास। फोटो : हरिभूमि

शहरपुर की पहाड़ी में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

क्षेत्र के गांव शहरपुर स्थित पहाड़ी क्षेत्र में रविवार को बिजली के तारों में हुए शॉर्ट सर्किट के कारण सूखी घास में अचानक आग लग गई। आग लगते ही आसपास के क्षेत्र में हडकंप मच गया। हालांकि ग्रामीणों की सतर्कता और तत्परता के चलते समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना में किसी प्रकार के जान माल के नुकसान की सूचना नहीं है। जानकारी के अनुसार पहाड़ी क्षेत्र से गुजर रही बिजली लाइन के तारों में अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे निकली चिंगारी सूखी घास पर गिर गई और देखते ही देखते आग फैलने लगी। तेज गर्मी और हवा के कारण आग ने कुछ ही देर में बड़ा रूप लेना शुरू कर दिया। धुआं और आग की लपटें उठती देख ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और अपने स्तर पर आग बुझाने में जुट गए। ग्रामीणों ने मिट्टी, टहनियों और पानी की सहायता से काफी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस टीम और फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी मौके पर पहुंची।

यशपाल सोनी सर्वसम्मति से बने सदर बाजार के प्रधान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रविवार को शहर के सदर बाजार के व्यापारियों ने बैठक कर सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया। पूर्व प्रधान राकेश जैन की अध्यक्षता में नई कार्यकारिणी का चुनाव किया गया, जिसमें यशपाल सोनी मसीत वाले को सर्वसम्मति से प्रधान चुना गया। नई कार्यकारिणी के गठन के बाद प्रधान सहित पूरी टीम को सम्मानित किया गया। बाजार की ओर से ललित अग्रवाल जिला सचिव कांग्रेस कमेटी शहरी ने नवनियुक्त प्रधान का पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर नवनियुक्त प्रधान ने कहा कि वे इस जिम्मेदारी का पूरी ईमानदारी एवं कर्तव्य परायणता के साथ निर्वहन करेंगे। बाजार में साफ सफाई, सुरक्षा व्यवस्था और इमरजेंसी हालात से निपटने में उनकी प्राथमिकता होगी। सट्टा बाजार के पूर्व प्रधान राकेश जैन तथा नवनियुक्त प्रधान यशपाल सोनी, चंद्रशेखर तथा ललित अग्रवाल ने बताया कि सदर बाजार में सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। प्रत्येक दुकान में अग्निशमक यंत्र भी लगाए गए हैं। बाजार के एंट्री और एक्जिट गेट पर साइन बोर्ड लगाए जाएंगे। इस मौके पर संतोष जैन पूर्व प्रधान, सुधीर गुप्ता, संजय मित्तल, अशोक अग्रवाल, पूर्ण सोनी, कृष्ण सोनी, ओम प्रकाश सोनी, योगेश सोनी, बाल किशन, रमेश कुमार, नरेश बारी, चंद्रशेखर वर्मा, संदीप सोनी, राहुल, योगेश। सतपाल सहित अनेक दुकानदार मौजूद थे।

रेवाड़ी। सदर बाजार के नए प्रधान का स्वागत करते दुकानदार। फोटो : हरिभूमि

कार्यक्रम विपरीत परिस्थिति आने पर यही कार्य रक्षा कवच की तरह हमारी मदद करते हैं

निःस्वार्थ भाव से की गई मदद पूरे परिवार में खुशहाली का संदेश लेकर आतीः डॉ. दीपक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को पंजाबी धर्मशाला में संस्कार निर्माण का कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि डा. दीपक यादव पूर्व जिला प्रधान आईएमए, नवनिर्वाचित पार्षद डा. सत्यनारायण यादव, मुकेश वर्मा, सुचित्रा चांदना व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि कई बार हम देखते है कि बड़ी कार दुर्घटना में कार के परखच्चे उड़ जाते है, लेकिन अंदर बैठे लोगों का बाल भी बांका नहीं होता।

ध्यान करने पर पता लगता है कि उस व्यक्ति ने अपने जीवन में लोगों की निःस्वार्थ भाव से मदद की होगी। बदले में उन लोगों ने दिल से दुआएं दी।

उन दुआओं की शक्ति के कारण परेशानी आने पर भगवान ने उनकी रक्षा की। उन्होंने कहा कि निःस्वार्थ भाव से की गई मदद परिवार में खुशहाली का संदेश लेकर आती है। प्रो. सी एल सोनी, शिक्षाविद् डा. बलबीर अग्रवाल, उपप्रधान हेमन्त ग्रोवर, समाजसेवी कुलदीप सोनी व प्राचार्य राजेन्द्र सिंह यादव ने कहा कि गर्मी के मौसम में प्यासे को पानी पिलाना, भूखे को भोजन कराना, गरीब विद्यार्थी की पुस्तकों से मदद करना व किसी बीमार को दवाई दिला देना जैसे पुनीत कार्य परमार्थ के खाते में जमा हो जाते है। विपरीत परिस्थिति आने पर यही कार्य रक्षा कवच की तरह हमारी मदद करते हैं। कार्यक्रम में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए जनजागृति संस्थान की अध्यक्ष मेनका सोनी, सत्यपाल शास्त्री, जौहरी सिंह चौकन व सुनीता आर्य को सम्मानित किया गया।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान करते हुए। फोटो : हरिभूमि

ये रहे उपस्थित

इस मौके पर महिला प्रधान निशा सीकरी, डा. नीरू वर्मा, शिक्षाविद प्रीती कपूर, डा. देवेन्द्र कुमार, पुरुषोतम नंदवानी, किशोरी लाल नंदवानी, कपिल कपूर, ओजस्वी, पूर्वांशी, सोनिया कपूर व विजय शर्मा सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

एक साल में 50 प्रतिशत ही रह गया बर्तनों का कारोबार, क्या करें व्यापारी

पीतल नगरी के बर्तन बाजार पर महंगाई की मार, ऑनलाइन खरीदारी से कारोबार ठप

महंगाई ने व्यापारियों के साथ आम लोगों की भी कमर तोड़कर रख दी

- कारीगरों का पीतल के बर्तन बनाने से मोहभंग सस्ती क्रॉकरी खरीद रहे लोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सिटी पल्स

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पीतल नगरी की पहचान बनाने वाले रेवाड़ी में आज पीतल के साथ सभी धातुओं के बर्तनों की चमक फीकी पड़ चुकी है। महंगाई की मार, बढ़ते ट्रांसपोर्ट खर्च और स्क्रैप की कीमतों में आए उछाल से बर्तन बाजार में सुस्ती छाई हुई है। व्यापारियों का कहना है कि बाजार बिल्कुल डाउन हो चुका है। सीजन के समय भी खरीदारों का इंतजार करना पड़ रहा है। ऑनलाइन बाजार व क्रॉकरी ने बर्तनों की सेल ठप कर दी है। महंगाई से आज व्यापार 50 प्रतिशत रह गया है।

रेवाड़ी। गोकल बाजार में दुकान पर रखे बर्तन। फोटो : हरिभूमि

लोगों का रुझान ऑनलाइन खरीदारी पर ज्यादा

पहले शहर में चारों तरफ पीतल के बर्तन बनाने की आवाज गूंजती थी। आज कुछ गिने चुने मोहल्लों के कुछ घरों में ही बर्तन बनाने का काम चल रहा है। पिछले 10 सालों से तो शहर में पीतल के बर्तन बनाने का काम न के बराबर रह गया है। वहीं बढ़ती महंगाई ने व्यापारियों के साथ आम लोगों की कमर तोड़कर रख दी है। बर्तन बाजार ठप पड़ा हुआ है। स्टील व एल्युमिनियम से बने बर्तन काफी सस्ते होते हैं, लेकिन आधुनिक डिजाइनों कॉकरी की चमक ग्राहकों को अपनी ओर खींच रही है। लोगों का रुझान ऑनलाइन खरीदारी पर ज्यादा हो गया है।

-जितेन्द्र जिंदल, प्रधान, दी मेटल मर्चेंट एसोसिएशन गोकल बाजार।

स्क्रैप में आया भारी उछाल

बर्तनों का स्क्रैप 25 से 50 प्रतिशत महंगा हो गया है। बर्तन विक्रेताओं की माने तो पीतल, तांबा व कांसे के बर्तन आम लोगों की पहुंच से बहुत दूर हो रहे है। यहां तक कि गरीबों का एल्यूमिनियम भी 50 प्रतिशत बढ़ गया है। हांलाकि स्टील के बर्तनों में 5 से 7 प्रतिशत वृद्धि हुई है, लेकिन पिछले एक साल में पीतल के दामों में 25 प्रतिशत, तांबे में 35 प्रतिशत, कांसे में 25 प्रतिशत और एल्यूमिनियम में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इसका मुख्य कारण बढ़ती महंगाई के कारण कच्चा मॉल महंगा होना है। गत वर्ष पीतल का 840 रुपये किलोग्राम का स्क्रैप अब 1000 हो गया है, तांबा 850 से 1300, कांसा 1100 से 1700 और एल्यूमिनियम 200 से 315 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गया है। स्टील के बर्तन 200 से 500 रुपये प्रति किलोग्राम है।

ब्रास मार्केट में बर्तन की दुकान तक नहीं

सन 1992 में पीतल के बर्तन बनाने वाले लोगों के लिए बने ब्रास मार्केट में करीब 250 दुकानें है, लेकिन आज तक यहां बर्तनों की एक भी दुकान नहीं खुल पाई है। वर्तमान में ब्रास मार्केट में कोचिंग सेंटर, अस्पताल, शॉपिंग मार्ट, बैंक, रेडीमेड के ब्रांडेड और नॉन ब्रांडेड शोरूम, होटल सहित अन्य शोरूम चल रहे है। शहर में पीतल के बर्तन बनाने वाले ठठेरा समाज के करीब 800 परिवार है। 10 साल पहले सभी परिवार पीतल के बर्तन बनाने का कार्य करते थे, लेकिन अब करीब 15 से 20 परिवार ही यह काम करते है। कारीगरों का कहना है कि लगातार बढ़ती महंगाई ने पीतल को आम आदमी के बजट से दूर कर दिया है।

महंगाई ने तोड़ी लोगों की कमर

शहर में पीतल के बर्तनों के साथ अन्य धातुओं के बर्तनों का चलन काफी कम हो गया है। महंगाई ने लोगों की कमर तोड़ दी है। जीएसटी से सिर्फ सरकार को फायदा हो रहा है। आम आदमी व व्यापारी परेशान है। लोग अपने बजट में समाने वाले बर्तनों को ज्यादा अहमियत दे रहे है।

-भोलाराम, बर्तन व्यापारी।

रेवाड़ी। अभियान के दौरान मौजूद शाखा के सदस्य व बच्चे। फोटो : हरिभूमि

श्रीराम शाखा ने सफाई अभियान चलाकर नेहरू पार्क को किया कचरा मुक्त

- बेजुबान पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए पेड़ों पर सकोरे भी लटकाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

भारत विकास परिषद की श्रीराम शाखा की ओर से रविवार को महाराणा प्रताप चौक स्थित नेहरू पार्क में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण अभियान चलाया गया। अभियान में शाखा सदस्यों के साथ पार्क में आने वाले नागरिकों ने भी श्रमदान किया। अभियान के दौरान पूरे पार्क परिसर की सफाई की गई और भारी मात्रा में कचरा व सिंगल-यूज प्लास्टिक एकत्रित कर पार्क को स्वच्छ बनाया गया। शाखा के सदस्यों ने भीषण गर्मी को देखते हुए बेजुबान पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए पेड़ों पर सकोरे भी लटकाएं। इस कार्य में बच्चों का भी सहयोग रहा। नवनिर्वाचित पार्षद निहाल यादव ने कचरा गाड़ी व अन्य व्यवस्थाओं में सहयोग दिया। अभियान का नेतृत्व शाखा अध्यक्ष सीए जतिन सैनी, संरक्षक सीए जितेश अग्रवाल और सचिव सचिन सिंघल ने किया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर डा. दीपक यादव, डा. प्रशांत यादव, डा. दिनेश वर्मा, सीए निधि गौतम, ऋतु ओबरॉय, सीए कश्यप गुप्ता, सीए यश अरोड़ा, सीएस सचिन गुप्ता, सीए सुमित सतीजा, दीप्ति, हुक्म यादव, मुदित बंसल, महेश स्वामी व संजय अरोड़ा सहित बाल स्वयंसेवकों योहान वर्मा, रेयांश सैनी, हर्षिता सैनी, इनाया अरोड़ा, ईधिका सतीजा, मानविक सतिजा, दिविजा गुप्ता, नायशा शर्मा व शौर्या शर्मा ने योगदान दिया।

लंबित मांगों को लेकर सरकार पर नाराजगी जताई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। समारोह में अतिथियों का सम्मान करते हुए आयोजक।

बिजली पेंशनर्स एसोसिएशन की ओर से सरकुलर रोड स्थित निजी संस्थान में समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश भर की विभिन्न इकाइयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस मौके पर एसोसिएशन की पत्रिका का विमोचन भी किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व अधीक्षक अभियंता एवं एसोसिएशन के राज्य प्रधान एस के गर्ग ने पत्रिका का विमोचन किया। समारोह की अध्यक्षता सुंदरलाल नंदवानी ने की। समारोह का संचालन एसोसिएशन प्रधान नरेंद्र रोहिल्ला व महासचिव प्रभु दयाल के नेतृत्व में हुआ। इस अवसर पर राज्य प्रधान गर्ग, वीर सिंह मुख्य संगठनकर्ता सेंटर काउंसिल, बीआर आहूजा जनरल सेक्रेटरी, इंद्रजीत, आजाद, देवीलाल व राजवीर रोहिल्ला सहित अनेक वक्ताओं ने बिजली पेंशनर्स की लंबित मांगों को प्रमुखता से उठाया।

वक्ताओं ने कहा कि बिजली पेंशनर्स की स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, कैशलेस मेडिकल सुविधा, एलडीसी सुविधा, कंप्यूटेशन फ्री यूनिट सुविधा तथा सेवानिवृत्ति उपरांत मिलने वाली अन्य सुविधाएं लंबित पड़ी हुई है।

ये रहे मौजूद

बीडी यादव, जोगीराम, राजेंद्र शर्मा, राधेश्याम शर्मा, सुरेंद्र कुमार यादव, राजेंद्र सिंह, सूरत सिंह, विजय डाबला, चांद सिंह, मानसिंह यादव, रामपाल, रामदेव, प्रभु दयाल ओमप्रकाश सोलंकी, मेहरचंद, रामकुमार सैनी, धर्म सिंह डाबला, संतराम, श्याम सुंदर, हरिओम, हरगोविंद सिंह, शेर सिंह, जिले सिंह, बाबूलाल, आरके कौशिक, मंगल सिंह, सुरेश कुमार, सरजीत सिंह, विजय डाबला, ओपी यादव, अभय सिंह यादव, राजेंद्र शर्मा, वीर सिंह, सूरजभान, राजकुमार, महावीर सिंह यादव, वेद प्रकाश, लालचंद चांदना, एम के मुखेजा, लाल सिंह, हरिन्द्र सिंह, मुल्कराज, ओमप्रकाश सोलंकी, जसवंत छाबड़ा, भान सिंह, रामकिशन व सुभाष चंद्र सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सोलहराही धाम पर श्याम बाबा का जागरण और हेल्थ चेकअप कैंप 27 मई को

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

श्री श्याम दीवाना मंडल की ओर से श्री श्याम मंदिर सोलहराही धाम पर 27 मई को एकादशी के अवसर पर शाम 7 बजे से प्रभु इच्छा तक बाबा श्याम का जागरण और भंडारे का आयोजन किया जाएगा। मंडल के संरक्षक श्याम सुंदर आहुजा, प्रधान मनोज यादव रिटायर्ड ईओ, नवनीत सोनी व ज्योति वर्मा ने बताया कि जागरण से पूर्व बाबा का भव्य श्रृंगार किया जाएगा। जागरण में प्रसिद्ध गायक कलाकारों की ओर से बाबा श्याम की महिमा का गुणगान किया जाएगा। इससे पहले बुधवार को सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी प्रकार की स्वास्थ्य जांच की जाएगी। मंडल के प्रधान मनोज यादव ने शहर वासियों से इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है।

विद्यार्थियों ने विज्ञान प्रदर्शनी में वैज्ञानिक व एआई आधारित मॉडल्स का किया प्रदर्शन

रेवाड़ी। राज इंटरनेशनल स्कूल में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, रचनात्मकता एवं वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से फन-डे सेलिब्रेशन, विज्ञान प्रदर्शनी एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रोजेक्ट्स का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्री-नर्सरी से कक्षा आठवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। फन-डे सेलिब्रेशन के दौरान बच्चों के लिए रेन डांस, स्प्लैश पूल, ट्रैम्पोलिन, मिकी माउस शो, म्यूजिकल चेयर, डांस प्रतियोगिता तथा स्नैच हैंडकरचीफ जैसी मनोरंजक गतिविधियां आयोजित कर गई। इस अवसर पर इंटरप्रेन्योर सेक्शन के विद्यार्थियों ने स्वादिष्ट व्यंजनों की स्टॉल लगाकर अपने उद्यमिता कौशल का प्रदर्शन किया। अभिभावकों ने विभिन्न प्रकार के स्टाल का आनंद लेते हुए बच्चों के प्रयासों की सराहना की। विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने 70 से अधिक वैज्ञानिक एवं एआई आधारित प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। प्रदर्शनी में इको-फ्रेंडली सिटी, चंद्रयान-3, स्मार्ट शूज, 3डी होलोग्राम, वर्किंग रोबोट, ह्यूमन हार्ट मॉडल, हाइड्रोपावर प्लांट, सोलर सिस्टम, स्मार्ट ब्रिज, इलेक्ट्रिक सर्किट, स्मार्ट चैटबॉट्स और स्वचालित सिस्टम जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित प्रोजेक्ट आकर्षण का केंद्र रहे।

रेवाड़ी-पलवल हाइवे सड़क के बीच छोड़ा लोहे का बूम

- वाहन चालकों को हादसे का डर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धारूहेड़ा

रेवाड़ी-पलवल राष्ट्रीय राजमार्ग-919 स्थित मिनी ट्रक यूनियन के पास सड़क मरम्मत कार्य के दौरान जेसीबी मशीन का लोहे का बूम टूटकर सड़क के बीचों-बीच धंस गया, जोकि अब हादसे का कारण बनता जा रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि लोहे का हिस्सा पिछले चार दिनों से सड़क के बीच ही खड़ा हुआ है। सड़क की सतह से ऊपर निकला लोहे का टुकड़ा वाहन चालकों के लिए खतरा बना हुआ है। रात के समय यह हादसे का कारण बन सकता है। लोगों का कहना है कि मरम्मत कार्य के दौरान हुई लापरवाही की वजह से किसी भी समय गंभीर सड़क दुर्घटना हो सकती है। गांव खरखड़ा निवासी सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश यादव ने समस्या को लेकर अधिकारियों को शिकायत दी है। उन्होंने बताया कि इस सड़क की देखरेख लोक निर्माण विभाग की ओर से की जाती है। यह मार्ग गुरुग्राम मंडल के अंतर्गत आता है। स्थानीय लोगों ने सड़क सुरक्षा को देखते हुए लोहे के बूम को जल्द हटाने की मांग की है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सकें।

असिस्टेंट प्रोफेसर बने मोनू रोहिल्ला का किया सम्मान

रेवाड़ी। क्षेत्र के गांव बुड़ौली निवासी मोनू रोहिल्ला का असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयन हुआ है। रविवार को शहीद भगतसिंह खेल स्टेडियम में आयोजित सम्मान समारोह में मोनू रोहिल्ला को सम्मानित किया गया। इस मौके पर एडीओ अमित सोनी और विजय प्रधान ने बताया कि मोनू रोहिल्ला भारतीय नौसेना से सेवानिवृत्त होने के बाद असिस्टेंट कमांडेंट पद पर भी चयनित हो चके है और अब उनका उच्चतर शिक्षा विभाग में राजकीय महिला महाविद्यालय बावल में इतिहास विषय के सहायक प्राध्यापक के पद पर चयन हुआ है। इस मौके पर राजपाल गोस्वामी, डीपीई अनिल प्रधान, लेक्चरर जितेंद्र सैन, प्रदीप यादव, सोनी सोनी, कृष्ण रोहिल्ला, अनूप धनखड़, संजीव, अंकित, काला रोहिल्ला व प्रीतम भगत सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 8291554800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

योग साधकों से नियमित योग अपनाकर समाज में स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने का आह्वान किया

योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित एवं तनावमुक्त जीवन जीने की जीवनशैली: सूरजपाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। रेजांगला पार्क में योगाभ्यास करते लोग। फोटो : हरिभूमि

पतंजलि योग समिति के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय योग शिविर का रविवार को समापन हो गया। शहर के रेजांगला पार्क में पतंजलि योग समिति की जिला महिला प्रभारी सरोज आर्या के नेतृत्व में आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में योग साधकों ने भाग लेकर योग एवं प्राणायाम के माध्यम से स्वस्थ जीवन का संदेश ग्रहण किया।

रविवार को मुख्य अतिथि कैप्टन सूरजपाल सिंह तथा विशिष्ट अतिथि नरेश कुमार ने पांचवें दिन के अभ्यास सत्र का शुभारंभ किया। इस मौके पर अतिथियों ने कहा कि वर्तमान समय में योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित एवं तनावमुक्त जीवन जीने की जीवनशैली बन चुका है। उन्होंने सभी योग साधकों से नियमित योग अपनाकर समाज में स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। वरिष्ठ योग शिक्षक कैप्टन राजेंद्र सिंह तथा पूर्व प्रवक्ता एवं योग शिक्षक महिपाल ने साधकों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया। उन्होंने योग क्रियाओं के शारीरिक एवं मानसिक लाभों की जानकारी देते हुए कहा कि नियमित योग अभ्यास से व्यक्ति निरोगी, ऊर्जावान एवं सकारात्मक जीवन की ओर अग्रसर होता है।

पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी दयाराम आर्य ने सभी साधकों को योग प्रोटोकॉल का अभ्यास कराया। जिला महिला प्रभारी सरोज आर्या ने कहा कि योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मिक शांति एवं मानसिक संतुलन प्राप्त करने का श्रेष्ठ साधन है। उन्होंने महिलाओं एवं युवाओं से दैनिक जीवन में योग को अपनाने का आह्वान किया।

रेजांगला पार्क में चल रहे पांच दिवसीय योग शिविर का समापन

ये रहे मौजूद

इस मौके पर भारत स्वाभिमान जिला प्रभारी मुकेश कुमार, रविंद्र कुमार सैनी, थानेदार सर्वसुख यादव, कैप्टन दलीप सिंह, लाल सिंह, सुरेश यादव, एडवोकेट अनिल अत्री, धर्मवीर, अशोक कुमार, सुनीता यादव, सुधा यादव, बलवान, रविंद्र, दिनेश कुमार, कर्ण सिंह, सूरजपाल सिंह, जेपी सैनी, भीम सिंह सैनी, अनिल चौहान, नमिता, जौहरी सिंह, जानवी व सपना सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

हरियाणा विज्ञान रत्न एवं युवा विज्ञान रत्न पुरस्कारों के लिए आवेदन 31 जुलाई तक

- हरियाणा विज्ञान रत्न पुरस्कार के तहत पांच लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा

रेवाड़ी। हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा विभाग के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी निदेशालय की ओर से वर्ष 2026 के लिए हरियाणा विज्ञान रत्न पुरस्कार तथा हरियाणा युवा विज्ञान रत्न पुरस्कारों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपना उत्कृष्ट योगदान देने वाले वैज्ञानिक 31 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि हरियाणा विज्ञान रत्न पुरस्कार के तहत पांच लाख रुपये का नकद पुरस्कार, प्रशस्ति पत्र और ट्रॉफी जबकि हरियाणा युवा विज्ञान रत्न पुरस्कार के तहत एक लाख रुपए का नकद पुरस्कार, प्रशस्ति पत्र और ट्रॉफी दी जाएगी। हरियाणा विज्ञान रत्न पुरस्कार 40 वर्ष से अधिक की आयु वाले प्रख्यात वैज्ञानिकों को, जबकि हरियाणा युवा विज्ञान रत्न पुरस्कार 40 वर्ष से कम की आयु वाले प्रख्यात वैज्ञानिकों को दिए जाएंगे।